



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रतिभार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 428]
No. 428]

नई दिल्ली, गृहस्पतिवार, नवम्बर 3, 1983/कार्तिक 12, 1905
NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 3, 1983/KARTIKA 12, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 नवम्बर, 1983

सा. का. नि. 817(अ).—जब कि, केन्द्रीय सरकार ने, पुरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम, 1972 (1972 का 52) की धारा 2 की उप-धारा (1) के खंड (ख) के परन्तुको के साथ पठित पुरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृति नियम, 1973 के नियम 2 (ख) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह अवधारणा करने के लिए कि भारत के राजपत्र के भाग 2, खंड 3, उपखंड (1), तारीख 8 नवम्बर, 1982 की भारत सरकार, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 664(अ) में उल्लिखित जेवरों की मूर्तों का रचयिता जीवित है, यह अधिसूचित कराया था कि यदि किसी व्यक्ति को ऐसी जानकारी है कि ऐसा रचयिता गत तीस वर्षों के भीतर जीवित है, तो वह महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, जनपथ, नई दिल्ली-110011 को उस रचयिता के नाम और इस तथ्य कि रचयिता जीवित है, और उसका पता, या यथास्थिति, उस तारीख की जिसको वह रचयिता अंतिम बार जीवित देखा गया है, और रचयिता के अंतिम ज्ञात होने की जानकारी देगा।

अब, अतः, केन्द्रीय सरकार उक्त नियम के नियम 2(ख) के खंड (ख) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा यह अधिसूचित करती है कि कोई भी व्यक्ति जिसे ऐसी जानकारी हो, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दो मास की अवधि के भीतर रचयिता के नाम, रचयिता के जीवित होने के तथ्य और इसके पते की, या, यथास्थिति, तारीख जिसको वह रचयिता अंतिम बार जीवित देखा गया था और रचयिता के अंतिम ज्ञात होने की जानकारी दे सकेगा।

[सं. 1/23/76-पुरावशेष]

डा. (श्रीमती) देबला मिश्र, महानिदेशक

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd November, 1983

GSR 817(E).—Whereas, in exercise of the powers conferred under rule 2B of the Antiquities and Art Treasures Rules, 1973, read with proviso to clause (b) of sub-section (1) of section 2 of the Antiquities and Art Treasures Act, 1972 (52 of 1972), the Central Government, with a view to

determine whether the author of items of jewellery mentioned in the Government of India notification No. GSR. 664(E) published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 8th November, 1982 is alive, and notified that any person knowing such author to have been alive within thirty years would make known to the Director General, Archaeological Survey of India Janpath, New Delhi-110011, the name of the author and the fact of the author being alive and his address, or, as the case may be, the date on which the author was last seen alive and the last known address of the author.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of rule 2B of the said Rules, the Central Government hereby notifies that any person having such knowledge shall make known the name of the author and the fact of the author being alive and his, or, as the case may be, the date on which the author was last seen alive and the last known address of the author within a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[No. 1/23/76-Ant.]

Dr. (Mrs.) D. MITRA, Director General